

के कितने कर्मचारी हैं और वे इन पदों पर कब से कार्य कर रहे हैं;

(ख) क्या उन्होंने यह शिकायत की है कि यद्यपि वे तदर्थ आवासर पर काम कर चुके हैं और बरिष्ठ भी हैं फिर भी उनसे कनिष्ठ कर्मचारियों को स्थायी बना दिया गया है; और

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं?

निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्री (श्री शिक्वर बस्त) : (क) भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली में अनुसूचित जाति के तीन ओवरसियर हैं। उनकी नियुक्ति की तारीख क्रमशः 22-3-1974, 25-6-1974 और 4-7-1977 है। उक्त मुद्रणालय में अनुसूचित जनजाति से सम्बन्धित कोई ओवरसियर नहीं है।

(ख) उपर्युक्त तीन अनुसूचित जाति के ओवरसियरों से कनिष्ठ किसी भी ओवरसियर को स्थायी नहीं बनाया गया है। उनसे ऐसी कोई शिकायत भी नहीं मिली है।

(ग) प्रश्न ही नहीं उठता।

Use of Toilet in National Council of Education

5675. SHRI SHANKERSINHJI VAGHELA: Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

(a) whether it has come to the notice of the Government that toilet has exclusively been reserved for British experts invited by the National Council of Education to conduct the workshop "Script writing Workshops" in their building on Ring Road, New Delhi;

(b) whether outside the toilet it has been written "FOR BRITONS ONLY";

(c) what accounts for this in Independent India; and

(d) the steps taken to get this removed?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUNDER): (a) to (d). The following notice was put up on one of the four toilets of the Department of Teaching Aids building:

"This toilet is for the exclusive use of the Experts from U.K. Please use the other toilets. Inconvenience regretted." Two British experts whose services were procured for the workshop on script-writing on science films (13th June to 2nd July, 1977) had attacks of acute dysentery from which they were suffering during the course of the workshop. In order to provide them with minimum facilities of bathroom, the notice was put up for the duration of the workshop only.

मध्य प्रदेश में नई जमीन को खेती योग्य बनाया जाना

5676. श्री भागीरथ भंवर :

श्री सुभाष ग्राहजा :

डा० लक्ष्मी नारायण पांडेय :

क्या निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या आर०आर०ओ० एकक द्वारा खेती योग्य बनाई गई नई जमीन में चौथाई भाग भारत सरकार मध्य प्रदेश स्थानीय आदिवासियों को खेती करने के लिये देती है;

(ख) क्या आदिवासियों को बसाने के लिये बेतूल जिले में शाहपुर परियोजना में आर०आर०ओ० एकक ने चार हजार एकड़ भूमि को कृषि योग्य बनाया था;